हिन्दी शिक्षण पारंगत का पाठ्यक्रम-विवरण

Syllabus for Hindi Shikshan Parangat

(Equivalent to B.Ed.)

Approved by the Manipur University, Canchipur, India

राजकीय हिन्दी शिक्षण परीक्षण महाविदयालय

GOVERNMENT HINDI TEACHERS' TRAINING COLLEGE

Department of University and Higher Education

Government of Manipur

Outline of Syllabus (पाठ्यक्रमकी रूपरेखा)

SEMESTER I

Course Code	Course Name	Total Marks	Internal	External
HSP01	शिक्षा की बुनियादी अवधारणाएँ और विचार (Basic concepts and Thoughts of Education)	50	15	35
HSP02	अधिगम मनोविज्ञान (Learning Psychology)	100	30	70
HSP03	भाषा विज्ञान (General Linguistics)	100	30	70
HSP04	मानव विकास और विविधता : विशिष्ट बालको की शिक्षा (Different diversity of human development - Education of specific child)	50	15	35
HSP05	विद्यालय प्रशासन और प्रबंधन (School Administration and Management)	50	15	35
	Total	**350**	**105**	**245**

SEMESTER II

Course Code	Course Name	Total Marks	Internal	External
HSP06	शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार (Sociological Basis of Education)	50	15	35
HSP07	अन्य भाषा के रूप में हिन्दी भाषा शिक्षण विधि (Method of teaching Hindi as Second Language)	100	30	70
HSP08	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास (History of Hindi Language and Literature)	100	30	70
HSP09	हिन्दी भाषा की संरचना और तुलना प्रविधि (Hindi Language Structure and Comparison Methods)	100	30	70
HSP10	पाठ्यचर्या अध्ययन (Study of Curriculum)	50	15	35
	Total	**400**	**120**	**280**

SEMESTER III

Course Code	Course Name	Total Marks	Internal	External
HSP11	भारतीय शिक्षा का इतिहास (History of Indian Education)	50	15	35
HSP12	सामाजिक अध्ययन : शिक्षण विधि (Social Study: Method of teaching)	100	30	70
HSP13	भाषा परिमार्जन (Improvement of learners' language)	100	30	70
HSP14	शिक्षण अभ्यास - हिन्दी शिक्षण (Practice teaching – Teaching of Hindi)	200	100	100
HSP15	शिक्षण अभ्यास - सामाजिक अध्ययन शिक्षण (Practice teaching – Teaching of Social Studies)	200	100	100
	Total	650	275	375

SEMESTER IV

Course Code	Course Name	Total Marks	Internal	External
HSP16	शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन (Educational measurement and Evaluation)	100	30	70
HSP17	हिन्दी साहित्य (Hindi Literature)	100	30	70
HSP18	भारतीय शिक्षा की समस्याएँ (Problems of Indian education)	50	15	35
HSP19	जेंडर विमर्श एवं शिक्षा (Gender discussion and Education)	50	15	35
HSP20	वैकल्पिक विषय (Optional Subject)	100	30	70
	Total	400	120	280
	Grand Total	1800	620	1180

Optional subject (one of the following)

वैकल्पिक विषय (निम्न में से एक)

- शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा (Physical and Health Education)
- संप्रेषण और सूचना प्रौद्योगिकी (Communication and Information Technology)
- पर्यावरण एव पर्यावरण शिक्षा (Environment and Environmental Education)
- ललित कला और संगीत (Fine Arts and Music)

Semester I

सेमेस्टर - I

प्ररनपत्र - 1

शिक्षा की बुनियादी अवधारणाएँ और विचार

(Basic Concepts & Thoughts of Education)

विषय कोड: १०१ **क्रेडिट -४**

उददेश्य -

१ शिक्षा की बुनियादी अवधारणाओं और विचारों से अवगत कराना ।

२ सैद्धांतिक एवं दार्शनिक परंपराओं में व्यक्त शिक्षा, ज्ञान और सीखने की मान्यताओं का परीक्षण का समुचित ज्ञान देना ।

पाट्यवस्तु

१ परिचय:
शिक्षा - अर्थ, प्रक्रिया, प्रारूप, और उददेश्य, आधारभूत अवधारणाएँ, सीखना, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुदेशन, खोज, सूचना, मतारोपण, जानने को प्रक्रिया, आगमन व निगमन, अनुभव, अन्वेषण और संवाद ।

२ पास्चात्य विचारकों का योगदान -
(१) प्लेटो (२) रूसो (३) फ्रोबेल (४) हरबर्ट स्पेंसर (५) जॉन ड्रयई, (६) पॉलो फेरे ।

३ भारतीय विचारकों का योगदान –
(१) श्री अरविंद, (२) स्वामी विवेकानंद, (३) मदनमोहन मालवीय, (४) डॉ. जाकिर हुसैन, (६) गिजूभाई बधेका, (६) श्री जिद्दू कृष्णमूर्ति, (७) डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (८) लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ।

४ शिक्षा और मूल्य –
मूल्यों क्री प्रकृति और स्रोत, समकालीन समाज में मूल्य और मूल्यों के लिए शिक्षा की प्रासंगिकता, विद्यालय के संदर्भ में मूल्य का निर्माण, मूल्यों के विकास और पोषण के संदर्भ में शिक्षक की भूमिका, सामाजिक संघर्ष की चुनौतियाँ और शांति-स्थापना ।

संदर्भ ग्रंथ मूवी -

१ सारस्वत, अ. २०१२. शिक्षा के दार्शनिक और समाजशाखीय आधार, संजय पुस्तक मंदिर, आगरा
२ सिंह, स. २०१३. शिक्षा के दार्शनिक परिपेक्ष्य, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नईं दिल्ली
३ सिंह , रा, ज, शिक्षा में मूल्पों के सरोकार, किताबघर प्रकाशन, नईं दिल्ली
४ राम , आ, ज, शिक्षा लक्ष्य और सिद्धांत, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

प्ररनपत्र - 2

अधिगम मनोविज्ञान

(Learning Psychology)

बिषय कोड : १०२ **क्रेडिट-४**

उददेश्य -

१ शिक्षा मनोविज्ञान एवं अधिगम मनोविज्ञान से संबंधित आधारभूत संकल्पनाओं से परिचित कराना ।

२ सीखने और सिखाने को मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को भाषा अधिगम के विशेष संदर्भ में जानकारी प्राप्त कराना ।

३ अधिगम के निर्धारकों, सिद्धांतों एवं अधिगम की प्रक्रिया की जानकारी से अवगत कराना ।

४ बुद्धि और बुद्धि के सिद्धांत व्यक्तित्व के विषय में जानकारी देना ।

५ अभिप्रेरणा एवं और उसके सिद्धांतों से अवगत कराना ।

पाठयक्रम -

१ शिक्षा मनोविज्ञान : अर्थ, प्रयोजन, शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र एवं अध्ययन विधियाँ - प्रेक्षण, प्रयोग, सह संबंधात्मक ।

२ अधिगम : स्वरूप, परिभाषा, विधियाँ, प्रकार, वक्र, और पठार एवं अधिगम अंतरण ।

३ अधिगम के सिद्धांत एवं शिक्षण अधिगम प्रकिया में इनकी उपयोगिता: व्यवहारवादी उपागम - (थार्नडाइक, पाव्रलॉव, वाटसन, स्किनर) संज्ञानवादी उपागम - (पियाजे, व्यागात्सकीं, कोलबर्ग) ।

४ अभिप्रेरणा एवं अभिरूचि अर्भिप्ररणा - संप्रत्यय, आवश्यकया, प्रकार, संघटक एवं सिद्धांत (मैस्लो एवं मैक्लीलैंड), अभिरूचि - संप्रत्यय, प्रकार, निर्धारक तत्व । अधिगम में अभिप्रेरणा एवं अभिरूचि का उपयोगिता ।

५ बुद्धि : परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, निर्धारक तत्व, सिद्धांत (स्पियरमेन, थर्स्टन एवं गिल्फोर्ड)

६ व्यक्तित्व : परिभाषा, प्रकार, व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करने वाले कारक ।

७ स्मृति एवं विस्मृति - स्मृति - प्रकृति, प्रकार - (सांवेगिक, अल्पकालिक तथ दीर्घकालिक स्मृति, कार्यात्मक, स्मृति), विस्मरण - प्रकृति और कारण, स्मृति बढ़ाने के उपाय

संदर्भ ग्रंथ सूची-

१ डॉ. पांडेय, के.पो. हैं शिक्षा मनोविज्ञान हैं २००७, दोआबा हाउस, दिल्ली

२ शौरी ढी. पी., शेक्षिक मनोविज्ञान, १९६१ गया प्रसाद एंड संस, आगरा

३ न्रिपाठो लाल वचन, अधिगम का मनोविज्ञान, टाटा मैक्याहिल पब्लिशिंग कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली

४ शर्मा रवींद्र कुमार, शिक्षा मनोविज्ञान, श्रीराम पब्लिकेशन

५ भटनागर, सुरेश, शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार, १९८४, लायल बुक डिपो, मेरठ

६ माथुर, एस एस., शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

७ एन.सी.ई.आर.टी. मनोबिज्ञान परिचय भाग- १ एवं भाग- २, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली

८ सिंह अरुणकुमार, असत्य सामान्य मनोविज्ञान, २००८, मोतीलाल बनारसी दास, प्रकाशन, ब्रैग्लो रोड, दिल्ली

९ शर्मा, गंगाराम, भार्गव विवेक, शिक्षा मनोविज्ञान, १००८, एच.पी. भार्गव बुक हाउस, ४/२३० कचहरी खाट, आगरा

१० शुक्ल, ओ. पी., शिक्षा मनोविज्ञान, भारत ब्रुक भेंटा, १७ अशोक मार्ग, लखनऊ

११ NCERT 3129, Self Learning Material Vol. I NCERT, New Delhi

१२ NCERT 3131, Self Learning Mateial Vol. II, NCERT, New Delhi

१३ Morisl Bigpe, Learning theories for Teachers

प्रश्नपत्र -3

भाषा विज्ञान

(General Linguistics)

विषय कोड: १०४ **क्रेडिट - ५**

उदेश्य -

१ हिन्दी और अन्य भाषाओं की सरंचना के सन्दर्भ मैं भाषाविज्ञान के सामान्य सिद्धांतों एवं भाषा को विभिन्न इकाइयों का परिचय प्राप्त कराना ।

२ भाषाविज्ञान की विभिन्न शाखाओं से परिचित कराना |

३ भाषाविज्ञान के विभिन्न अनुप्रयोग से परिचित कराना ।

पाठ्यवस्तु -

१ भाषा एवं भाषाविज्ञान - मानव भाषा व उसकी विशेषताएँ, भाषा का जैविक व सामाजिक आधार, सार्वभौमिक व्याकरण, भाषा और बोली, भाषा का संदर्भगत प्रयोग (रेजिस्टर्स) । भाषा और लेखन व्यवस्था । भाषा के अंग - ध्वनि, व्याकरण शब्दावली और अर्थ । भाषाविज्ञान का अर्थ, महत्व एवं अध्ययन क्षेत्र; भाषावैज्ञानिक विशलेषण की इकाइयाँ - वाक्य, पद, शब्द, रूप और स्वन ।

२ स्वन विज्ञान एवं स्वनिम विज्ञान - स्वन विज्ञान की शाखाएँ - उच्चारणात्मक , तरंगात्मक, श्रवणात्मक । उच्चारण प्रक्रिया व वागेन्द्रियाँ । स्वनों का वर्गीकरण - खंड़ीय एवं खंडेतर । खंडीय (स्वर एवं व्यंजन स्वनों का वर्गीकरण), खंडे तर (मात्रा, बलाघात, अनुतान, अनुनासिकता, विवृति) । अक्षर और आक्षरिक संचरना ।

३ रूपविज्ञान - रूपिम की परिभाषा । रूप, रूपिम, संरूप । मुक्त एवं बद्ध रूपिम, रूप साधक एवं व्युत्पादक । रूप - स्वनिमिक परिवर्तन । प्रत्ययों का वर्गीकरण - पूर्व, मध्य, पश्च । शब्द - रचना - समास, पुनरूक्ति । शब्द वर्ग (विकारी तथा अविकारी) । व्याकरणिक कोटियॉ - लिग, वचन, पुरुष आदि । शब्दवर्ग ।

४ वाक्य विज्ञान - वाक्य कीं परिभाषा । पदबंध तथा उपवाक्य । अनिवार्य और ऐच्छिक घटक । वाक्यात्मक युक्तियाँ - चयन, संदर्भ, शब्दक्रम, अन्विति । वाक्य के भेद - संरचना तथा अंर्थ के आधार पर । अंत: केंद्रित तथा बहिर केंद्रित रचना, व्याकरणिक कोटियों, लिग, वचन, पुरुष, कारक, काल, पक्ष, वृति एवं वाच्य ।

५ अर्थविज्ञान- शब्द तथा अर्थ का यादृच्छिक सम्बन्ध, शब्द और अर्थ के सबंध ग्रहण करने के विविध उपाय (व्यवंहार, व्याकरण, कोश, आप्त. वाक्य, संदर्भ), पर्याय, विलोम, अनेकार्थ, समध्वनिय भिन्नार्थक शब्द 'पारिभाषिक शब्दावली | अर्थ परिवर्तन और उसकी दिशाएँ ।

६ भाषाविज्ञान के विविध क्षेत्रों (भाषा शिक्षण, अनुवाद , कोश विज्ञान, वाक दोष) में अनुप्रयोग

संदर्भ ग्रंथ सूची -

१ तिवारी, भो, भाषाविज्ञान

२ नारंग, वै, समसामयिक भाषाविज्ञान

३ सहाय, चतुर्मुज सहाय

४ सिंह ,कृ और चतुर्भुज, आधुनिक भाषाविज्ञान

५ द्विवेदी, क, भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र , विश्वविदयालय प्रकाशन, वाराणसी

६ शर्मा, दे, भाषाविज्ञान की भूमिका, वाणी प्रकाशन, नई दिली

७ सक्सेना, ब, अर्थ विज्ञान

प्रश्नपत्र - 4

मानव विकास और विविधता : विशिष्ट बालको की शिक्षा

(Different Diversity of Human Development – Education of specific child)

विषय कोड : १०४ **क्रेडिट ४**

उद्देश्य -

१ विकास के विविध सोपान और किशोर अध्येता के विकास की समझ से परिचित कराना ।

२ वैयक्तिक भेद, अनुकूलन से परिचित कराना ।

३ विशिष्ट बालकों एवं उनकीं शिक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त कराना।

पाठ्यक्रम –

१ वृद्धि और विकास : संकल्पना और भेद, विकास के सिद्धांत, वृद्धि और विकास को प्रभावित करने वाले कारक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ ।

२ मानव विकास प्रक्रिया : विकास के विभिन्न चरण तथा उनकी विशेषताएँ, बाल्यावस्था एवं किशोरावस्था में विकास के पक्ष – शारीरिक, संज्ञानात्मक , सामाजिक , संवेगात्मक, भाषिक एवं नैतिक विकास (एरिक्सन पियाजे, व्याँगात्स्की और कोलबर्ग के संदर्भ में)

३ व्यक्तिगत विविधता : स्वरूप एवं कारक - आनुवंशिक , पारिवेशिक, सामाजिक एवं सास्कृतिक ।

४ विशिष्ट बालक और उनकी शिक्षा : विशिष्ट बालक से अभिप्राय एवं उनके प्रकार, (प्रतिभाषाशाली, पिछडे, बाल अपराधी) विशिष्ट बालकों का समायोजन और शिक्षा

५ शेक्षिक सांख्यिकी : स्वरूप एवं महत्व, सांख्यिकी के संकेतों का प्रयोग, आंकडों का व्यवस्थापन - बारंबारता, सारणीयन, आवृत्ति, केद्रीय प्रवृति के माप - मध्यमान- मध्यमाक , बहुलक - अर्थ, उपयोग एवं गणना, विचलनशीलता के रूप- सहंसबंध गुणांक (स्पीयरमैन कोटि अंतर विधि) ।

६ प्रयोगात्मक कार्य :

I. व्यक्तिवृत्त **(Case Study)** तैयार करना

II. विशिष्ट बालकों की पहचान के लिए प्रश्नावली निर्माण

III. प्रश्नावली निर्माण

संदर्भ ग्रंथ सूची-

१ **NCERT-3129 Self Learning Material Vol. I**

२ **NCERT-3131 Self Learning Material Vol. I**

३ अग्रवाल, आर-एन , प्रयोगात्मक मनोविज्ञान - सिद्धांत तथा प्रयोग, आगारा

४ चौबे सरयू प्रसाद, शिक्षा मनोविज्ञान क्री रूपरेखा, मैंकमेलन, दिल्ली

५ पांडेय के पी, शिक्षा मनोविज्ञान, २००७ दोआबा हाउस, दिल्ली

६ भटनागर, सु, शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार, १९७७ लायल बुक डिपो, मेरठ

७ लाल. जे एन, मानवविकास का मनोविज्ञान १९७४ पुस्तक स्थान, गोरखपुर

८ शौरी, जी,पी, शैक्षिक मनोविज्ञान, १९६१, राम प्रसंद एंड संस, आगरा

९ त्रिपाठी ल, व, अधिगम का मनोविज्ञान, १९७९, टाटा मैकग्रा हिल पब्लिशिंग कपनी लिमिटेड, नई दिल्ली

१० लाल रामजी, मनोविज्ञान और शिक्षा सांख्यिकी, २३६ वसुंधरा प्रकाशन, दाउदपुर, गोरखपुर

११ पांडेय बी,जी, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, २३६, वसुंधरा प्रकाशन, दाउदपुर, गोरखपुर ।

१२ पाडेय बी,बी, विशिष्ट शिक्षा के आधार, २३६ वसुंधरा प्रकाशन, दाउदपुर, गोरखपुर ।

१३ भार्गव महेश, विशिष्ट बालक, भार्गव प्रकाशन, कचहरी घाट, आगरा

१४ शर्मा, गंगाराम भार्गव विवेक, शिक्षा मनोविज्ञान, एच,पी . भार्गब बुक हाउस, ४/२३० कचहरी जाट, आगरा

१५ सिंह अरुण कुमार, आधुनिक सामान्य मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, प्रकाशन, बंगलो रोड, दिल्ली ।

१६ शुक्ल डा ओ.पी शिक्षा मनोविज्ञान भारत बुक सेंटर, १७ अशोक मार्ग, लखनऊ ।

१७ एन.सी.ई.आरटी. ३२६५ प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, एन.स्री.ईं.आर.टी, नई दिल्ली ।

१८ **NCERT,3280, Psychology and Education, NCERT, New Delhi**

प्रश्नपत्र -5

विद्यालय प्रशासन और प्रबंधन

(School Administration & Management)

विषय कोड : १०५ **क्रेडिट - ५**

उद्देश्य -

१ शेक्षिक प्रशासन और प्रबंधन के सिद्धांतों से अवगत कराना ।

२ विद्यालय संगठन और उसके विभिन्न अंगों को जानकारी प्राप्त करांना ।

पाठ्यवस्तु -

१. शैक्षिक प्रशासन - अर्थ और महत्व, केद्रीय और राज्य स्तर पर शैक्षिक प्रशासन

२. विद्यालय प्रबंघन - अर्थ, महत्व, स्वरूप, क्षेत्र

३. विद्यालय प्रबंधन के अनावश्यक तत्व -

(क) प्रधानाध्यापक तथा अध्यापक की योग्यताएँ एवं कार्य

(ख) समय सारणी निर्माण के सिद्धांत

४. विद्यालय संयंत्र - भवन और छात्रावास -

(क) विद्यालय, भवन - आवश्यकता, प्रकार, छात्रों के बैठने की व्यवस्था, भवन में प्रकाश, जल, वायु, प्रसाधन को व्यवस्था, परिसर को स्वच्छता, हरे भवन का प्रत्यय ।

(ख) छात्रावास - आवश्यकता, महत्व, शेक्षिक विकास मैं योगदान, वार्डन के अधिकार/कर्तव्य

५. (क्र) परीक्षा प्रणाली - महत्व, प्रकार, गुणदोष

(ख) अनुशासन - अर्थ, महत्व, प्रकार, पुरस्कार, दंड

३ पाठय सहगामी क्रियाएँ - अर्थ, उद्देश्य , प्रकार, शैक्षिक महत्व

(ख) खेलकूद, सामाजिक और सांस्कृतिक क्रियाकलापों का शैक्षिक विकास में योगदान

६. स्वास्थ्य शिक्षा और सुरक्षा शिक्षा -

(क) स्वास्थय शिक्षा - संकल्पना, महत्व, विद्यालयों व्यवस्था, संतुलित आहार, योग शिक्षा, प्राथमिक चिकित्सा और संक्रग्मक रोग

(ख) सुरक्षा शिक्षा - संकल्पना, प्रकार, उपाय

संदर्भ ग्रंथ सूची

१ अग्रवाल जे. सी. , विद्यालय प्रशासन तथा स्वास्थ्य शिक्षा

२ मुखिया एस. पी. २००१, विद्यालय प्रशासन, संगठन एवं स्वास्थ्य शिक्षा, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा

Semester II

सेमेस्टर - II

प्रश्नपत्र -6

शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार

(Sociological Basis of Education)

विषय कोड : १०६ **क्रैडिट -४**

उद्देश्य –

१ भारतीय समाज की विविधता और इससे जुड़ी विशेषताओं के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित कराना ।

२ शिक्षा में समाजीकरण को भूमिका को समझाना ।

३ शिक्षा और सामाजिक प्रक्रियाओं के बीच अंत: संबंधों का अनुभव कराना।

पाट्यवस्तु –

१ समाज और समाजीकरण की अवधारणा, प्राथमिक एवं द्वितीयक समाजीकरण, घर, समुदाय और परिवार में अंत: प्रेषण, वृहद सामाजिक, सांस्कृतिक संदर्भ का समाजीकरण पर प्रभाव, समाजीकरण और स्व का बोध तथा पहचान का विकास ।

२ भारतीय समाज :

भारतीय समाज, सभ्यता और राष्ट्र राज्य, भारतीय ममाज की विविधता, विभेद के रूप्, जाति, बर्ग, र्जेडर, समता, समानता, और समावेशन, सामाजिक न्याय और शिक्षा ।

३ भारत का संवैधानिक ढाँचा-

संवैधानिक मूल्य और शिक्षा, संविधान में उल्लिखित शिक्षा और बच्चों से जुड़े प्रावधान, शिक्षा का अधिकार कानून, २००९ का आलोचनात्मक अध्ययन

४ शिक्षा, अर्थ व्यवस्था और इतिहास –

वर्चस्व, संघर्ष और प्रतिरोध, पर्यावरण और विकास, मानवधिकार और बालाधिकार के प्रश्न, सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक दृष्टि से अशांत क्षेत्रों में शिक्षा ।

संदर्भ ग्रथ सूची

१ गाड़िया विष्णुराज़, केजरीवाल अरविंद सूचना का अंर्धिकांर, २००८, राजकमल प्रकाशन, नईं दिल्ली

२ सारस्वत, अनुपम, शिक्षा के दार्शनिक और समाजशास्त्रीय आधार, २०२२, संजय पुस्तक मंदिर आगरा

३ शर्मा कृष्ण, कुमार, मानवाधिकार एवं शिक्षा, २०१२, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

४ चाँद किरण, शिक्षा: सामाजिक परिपेक्ष्य, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नईं दिल्ली

प्रश्नपत्र -7

अन्य भाषा के रूप में हिन्दी भाषा शिक्षण विधि

(Method of Teaching Hindi as Second Language)

विषय कोड : १०७ **क्रेडिट ५**

उद्देश्य –

१ भाषा शिक्षण से संबधित मुख्य संकल्पनाओं से अवगत कराना ।

२ शिक्षण प्रक्रिया से अवगत करान ।

३ भाषा अर्जन एवं भाषा अधिगम के अंतर की जानकारी देना ।

४ भाषा कौशलों के शिक्षण से लाभान्वित कराना ।

५ पाठ योजना निर्माण की तकनीकी से परिचित कराना ।

पाट्यवस्तु –

१ भाषा शिक्षण की संकल्पना, भाषा की अवघारणा महत्व एवं प्रकार्य ।

२ भाषा अर्जन एवं अधिगम - भाषा अर्जन, भाषा अर्जन कीं अवस्थाएँ, अधिगम-संकल्पना, निहित प्रक्रियाएँ,_भाषा अधिगम में अंतर, भाषा अधिगम प्रक्रिया का शिक्षण में उपयोग ।

३ मातृभाषा और अन्य भाषा शिक्षण - भाषा शिक्षण- अर्ध महत्व , मातृभाषा और अन्य भाषा में अंतर, अन्य भाषा शिक्षण की समस्याएँ एवं निदान |

४ भाषा शिक्षण की विधियाँ - व्याकरण अनुवाद, प्रत्यक्ष, संरचनात्मक दृश्य-श्रव्य, समन्वित, अभिक्रमित स्वाध्याय विधि ।

५ कौशल शिक्षण एवं वर्गीकरण-संकल्पना और आवश्यकता |

(i) श्रवण कौशल का अर्थ और विधियाँ – (क) वाद-विवाद, (ख) भाषण, (ग) कहानी कधन (घ) श्रुतिलेखन

(ii) भाषण कोशल का अर्थ और विधियाँ – (क) कविता पाठ, (ख) चित्र वर्णन (ग) वार्तालाप, (घ) स्वतंत्र प्रस्तुतीकरण (ङ) सस्वर वचन

(iii) वाचन कौशल का अर्थ और विधियाँ - (क) देखो और कहो विधि, (ख) वाक्य विधि, (ग) अनुकरण विधि, (घ) प्रदर्शन विधि (ध) वर्णाचार विधि

(iv) लेखन कौशल का अर्थ और विधियाँ - (क) अनुकरण पद्धति (ख) अनुलेखन पद्धति, (ग) ढाँचे से कहानी लेखन

६ पाठ योजना – संकल्पना, आवश्यकता और सोपान

७. कौशल शिक्षण – उच्चारण, वर्तनी, रचना, संरचना और प्रयोग, निबंध लेखन, पत्र लेखन ,कहानी रचना - पाठ योजना निर्माण

८. साहित्य शिक्षण - गद्य, पद्य, नाटक/पाठ योजना निर्माण

९. सूक्ष्म शिक्षण - अभिप्राय, आवश्यकता, शिक्षण कौशल, स्वरूप

१०. सूक्ष्म शिक्षण पाठ योजना - शिक्षण कौशल चयन और पाठ योजना निर्माण

ग्रंथ सूची –

१ भाई योगेंद्र जीत, हिन्दी भाषा शिक्षण, १९६२, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

२ अग्रवाल एस.के., प्रशिक्षण कला, १९८५

३ गुप्त मनोरमा, भाषा शिक्षण सिद्धांत और प्रविधि, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

४ शर्मा गीता, हिन्दी शिक्षण : सिद्धांत, और व्यहार, २००८, श्री हरिअंग प्रकाशन, मेरठ

प्रश्नपत्र – 8

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

(History of Hindi Language & Literature)

विषय कोड - १०८ **क्रेडिट – ८**

उद्देश्य -

१ आर्यभाषा परिवार के ऐतिहासिक काल विभाजन की जानकारी प्राप्त कराना ।

२ हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ एवं भांषा के रूप में उसके विकास के चरणों कीं जानकारी प्राप्त कराना

३ हिन्दी भाषी क्षेत्र एवं उसकी उपभाषाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

४ १९वीं शताब्दी के नवजागरण कालीन खडी बोली हिन्दी के आंदोलन से परिचित कराना ।

५ हिन्दी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालों व उनकी प्रमुख प्रवृतियों एवं कृतियों से परिचित कराना ।

६ आधुनिक और उत्तर आधुनिक और उत्तर आधुनिकता का अंतर स्पष्ट कराना ।

७ वैश्वीकरण का अर्थ स्पष्ट कराना ।

८ उत्तर आधुनिक विमशो यथा दलित - विमर्श एवं स्त्री विमर्श की प्रमुख कृतियों की जानकारी प्राप्त कराना

पाठ्यवस्तु -

खंड -क

हिन्दी भाषा

१ आर्य भाषा परिवार - सामान्य परिचय एवं ऐतिहासिक काल क्रमानुसार विभाजन -

(क) प्राचीन आर्य भाषा काल

(ख) मध्यकालीन आर्य भाषा काल

(ग) आधुनिक आर्य भाषा काल

२ हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति और अर्थ -

(क्र) भाषा के अर्थ में हिन्दी शब्द का प्रयोग - हिंदवी, हिन्दुई, रेख्ता, दक्खिनी, हिंदुस्तानी

३ हिन्दी भाषी क्षेत्र और उसकी उपभाषाओं (बोलियाँ - उप - बोलियाँ) -

(क) पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ

(ख) पूर्वी हिन्दी की बोलियाँ

(ग) राजस्थानी हिंदी की बोलियाँ

(घ) बिहारी हिन्दी की बोलियाँ

(ङ) पहाडी हिन्दी की बोलियाँ

४ भारतीय संविधान में राजभाषा हिन्दी का स्वरूप

५ हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि का मानकीकरण

खंड - ख

साहित्य का इतिहास

६ हिन्दी साहित्यके इतिहास का काल विभाजन -

आदिकाल (वीरगाथा काल)-

(क) नामकरण निर्धारण के संबंध में प्रस्तुत मतों की समीक्षा

(ख) आदिकालीन प्रमुख काव्यधाराओं, प्रवृतियों एवं प्रमुख कवियों का संक्षिप्त परिचय ।

भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल) -

(क) उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन के उदय के राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कारणों की समीक्षा ।

रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल) -

(क) रीतिकालीन प्रमुख काव्यधाराओं, प्रवृतियों एवं प्रमुख कवियों का संक्षिप्त परिचय

आधुनिक काल या गद्यकाल -

(अ) उन्नीसवीं शताब्दी का नवजागरण और खड़ी बोली आंदोलन -

(क) नवजागरण के राजनीतिक आर्थिक एवं समाज-सांस्कृतिक कारण

(ख) फोर्ट विलियम कालेज की रुथापना

(ग) भारतेंदु एवं द्विवेदी युग में खड़ी बोली (हिंदी) गद्य का विकास

(घ) हिन्दी पत्रकारिता का प्रारंभ

(आ) (क) आधुनिक काल के प्रमुख गद्यकारों (निबंध, उपन्यास, कहानी, नाटक , संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा) की प्रसिद्ध रचनाओं का नामोल्लेख मात्र ।

(ख) आधुनिक काल के हिन्दी साहित्य के विकास के विभिन्न चरणों, यथा - भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग, प्रगतिवादी एवं नई कविता के प्रमुख कवियों कीं रचनाओं उल्लेख मात्र ।

७ भूमंडलीकरण और साहित्य का उत्तर आधुनिक युग (१९९० से प्रारंभ)

(क) उत्तर आधुनिक विमर्श - दलित विमर्श, स्त्री विमर्श

(ख) हिन्दी के प्रमुख दलित साहित्यकार

(ग) हिन्दी नारीवादी लेखन

(घ) हिन्दी का आदिवासी साहित्य

संदर्भ ग्रंथ सूची -

१ हिन्दी भाषा का विकास और स्वरूप - कैलाशचंद्र भाटिया, मोतीलाल चतुर्वेदी, ग्रंथ अकादमी, दरियागंज, नई दिल्ली

२ हिन्दी भाषा का इतिहास -भोलानाथ तिवारी वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

३ हिन्दी उदभव विकास और रूप - डॉ, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद

४ हिन्दी का इतिहास - केन्दीय हिन्दी संस्थान, आगरा २८२८२ ०

५ हिन्दी साहित्य - उद्भव और विकास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

६ हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास, बाबू गुलाबराय

७ हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा

८ हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य धीरेंद्र वर्मा

९ हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. विजयेंद्र स्नातक

१० हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेद्र (साहित्य अकादमी नईं दिल्ली)

प्रश्नपत्र – 9

हिन्दी भाषा की संरचना और तुलना प्रविधि

(Hindi Language Structure and Comparison Method)

विषय कोड १०९ **क्रेडिट-५**

उद्देश्य -

१ हिन्दी के मानक रूप एवं उसकी विभिन्न बोलियों से परिचित कराना ।

२ हिन्दी की ध्वन्यात्मक तथा व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त कराना।

३ हिन्दी के शब्द समूह से परिचित कराना।

४ देवनागरी लिपि तथा हिन्दी वर्तनी की विशेषताओं से अवगत कराना ।

५ शुद्ध हिन्दी का व्यवहार करना स्रीखाना ।

६ ब्याकरण सम्मत रचना का अभ्यास कराना।

७ विविध शब्दावली का प्रयोग कर सकेंगे।

षाट्यवस्तु -

खंड (क)

हिन्दी संरचना

१ हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय - मानक हिन्दी व उसकी बोलियों का सामान्य परिचय (केवल बोलियों के नाम तथा क्षेत्र) देवनागरी लिपि एवं हिन्दी की मानक वर्तनी ।

२ हिन्दी की थ्वनि व्यवस्था – हिन्दी स्वर एवं व्यंजन - परिभाषा, वर्गीकरण एवं अभिलक्षण, उच्चारणगत विशेषताएँ - मात्रा, बलाघात, अनुतान, विवृत्ति, अनुनासिकता हिन्दी की आक्षरिक व्यवस्था ।

३ हिन्दी की शब्द व्यसस्था - शब्द रचना - प्रत्ययन, सामासीकरण, पुनरुक्ति , ध्वन्यात्मक एवं अनुकरणात्मक । शब्द वर्ग - विकारीसंज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अविकारी - अव्यय - क्रियाविशेपण, संबंधवाचक, समुच्चयबोधक, विस्यदिबोधक, निपात, परसर्ग आदि | हिन्दी का शब्द भंडार -तत्सम, तथव देशज एवं वेदेशी, संकर शब्द । पारिभाषिक शब्दावली ।

४ हिन्दी की वाक्य व्यवस्था - पदबंध - सरंचना तथा प्रकार - संज्ञा पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रियाविशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध । उपवाक्य- संरचना तथा प्रकार - संज्ञा उपवाक्य, विशेषण उपवाक्य, मुख्य क्रियाविशेषण उपवाक्य | वाक्य -परिभाषा, अनिवार्य एवं ऐच्छिक घटक, हिन्दी के वाक्य साँचे, युक्तियाँ- अन्विति, शब्दकम, अधिशासन, अध्याहार । वाक्य के प्रकार - सरंचना के आधार पर सरल, संयुक्त मिश्र । अर्थ क्रे आधार पर - कथनात्मक, आज्ञार्थक, निषेधात्मक, प्रश्नवाचक, संदेहात्मक, इच्छार्थक, संकेतात्मक विरम्यादि बोधक । व्याकरणिक क्रोटियाँ - लिंग, वचन, पुरुष, कारक, काल, पक्ष, वृत्ति, वाच्य ।

५ हिन्दी की अर्थ व्यवस्था - समानार्थकता, विलोमता, अनेकार्थकता, समश्रुत भिन्नार्थकता

खंड (ख)

भाषा तुलना प्रविधि

१ भारतीय सन्दर्भ में भाषा स्थिति एवं उसकी विशेषताएं तथा बहुभाषिकता एवं द्विभाषिकता की स्थिति ।

२ भाषाई संपर्क की स्थिति में समानता, विभिन्नता, व्यतिरेक व्यघात एवं अंतरण के प्रकार त्रणात्मक एवं धनात्मक पहचान और इनका शिक्षण में उपयोग, भाषिक त्रुटिया - प्रकार और कारण ।

३ भाषा तुलना के स्तर-ध्वनि, व्याकरण, शब्दावली, लेखन, अर्थ एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि । ध्वनि, शब्दावली, लिपि, उच्चारण, वाक्यस्तर, सांस्कृति परिवेश आदि विषयों पर मातृभाषा और हिन्दी का तुलनात्मक अध्ययन ।

संदर्भ ग्रंथ सूची -

१ गुरु, कामता प्रसाद, हिन्दी व्याकरण

२ सहाय, चतुर्युज़, हिन्दी वाक्य रचना, पदविज्ञान

३ वर्मा, धीरेंद्र, हिन्दी भाषा का इतिहास

४ अग्रवाल, के. स्री. , आधुनिक हिन्दी व्याकरण

५ सहाय, चतुर्भुज, हिन्दी के अव्यय वाक्यांश

६ पीतांबर, भाषाविज्ञान और हिन्दी सरंचना

७ तिवारी, भोलानाथ, व्यतिरेकी भाषाविज्ञान

८ श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान

९ पांडेय, रामकमल, हिन्दी सरंचना, विश्लेष्णात्मक अध्ययन

१० हज़ारीमयुम सुवदनी देवी, हिन्दी एवं मणिपुरी वाक्य गठनों का व्यतिरेकी अध्ययन

११ तिवारी, भोलानाथ - हिन्दी भाषा की संरचना

१२ व्यावहारिक हिन्दी संरचना (आगरा)

प्रश्नपत्र - 10

पाठ्यचर्या अध्ययन

(Study of Curriculum)

विषय कोड : ११० **क्रेडिट – ५**

उद्देश्य -

१ पाठ्यक्रम के अर्थ, प्रकृति की जानकारी देना ।

२ पाठ्यचर्या विकास के उपागमों से परिचित कराना ।

३ पाठ्यचर्या के निर्धारक तत्वों का ज्ञान प्राप्त कराना ।

४ पाठ्यचर्या के निर्माण में सक्षम कराना ।

५ पाठ्य पुस्तक का मूल्यांकन कर सकने में सक्षम कराना ।

पाठ्यवस्तु -

१ पाठ्यक्रम - अर्थ, प्रकृति और आवश्यकता |

२ पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या में विभेद |

३ पाठ्यचर्या विकास के उपागम- विषय आधारित कुशलता आधारित, विद्यार्थी केंद्रित ।

४ पाठ्यचर्या को निर्धारित करने वाले तत्व – सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राष्ट्रीय प्राथमिकता और अंतराष्ट्रीय संदर्भ ।

५ पाठ्यचर्या का निर्माण और क्रियान्वयन - उद्देश्य और प्रक्रिया ।

६ पाठ्यपुस्तक मूल्यांकन आधार और एक पाठ्य पुस्तक का मूल्यांकन |

७ पाठ्यचर्या निर्माण के सिद्धांत, पाठ्यपुस्तक निर्माण के समय ध्यान रखने योग्य तथ्य ।

संदर्भ ग्रंथ सूची -

१. पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें (२.३) छउएठढ ६२५६, नई दिल्ली

२. पाठ्यचर्या बदलाव के लिए व्यवस्थागत सुधार (२.२) छउएठढ ६२५५, नई दिल्ली

३. पाठ्यचर्या नवकरण के लिए शिक्षक शिक्षा (२.२) छउएठढ ६२५७, नई दिल्ली

कार्यानुभव

१ सत्रीय कार्य/परि योजना (आदर्श प्रश्नपत्र की रचना)

२ सांस्कृतिक क्रिया सहभागिता

३ संस्थान में विभिन्न कार्यक्रम जयंती में सहभागिता एवं आलेख प्रस्तुति

४ साक्षरता शिविर

५ भाषा शिविर

Semester III

सेमेस्टर III

'प्रश्नपत्र - 11

भारतीय शिक्षा का इतिहास

(History of Indian Education)

विषय कोड : १११ **क्रेडिट – ५**

उद्देश्य -

१ भारतीय शिक्षा के इतिहास को जानकारी प्राप्त कराना ।

२ भारतीय शिक्षा के गठन, शिक्षा नीति एवं भाषा पाठ्यक्रम संबंधी समस्याओं और समाधान से परिचित कराना ।

३ विभिन्न शिक्षा आयोगों से अवगत कराना ।

पाठ्यवस्तु -

१ प्रचीन भारत में शिक्षा –

(i) वैदिक कालीन शिक्षा - शिक्षा का अर्थ, उद्देश्य एवं शिक्षाकी व्यवस्था।

(ii) बौद्ध कालीन शिक्षा - शिक्षा का अर्थ, शिक्षा के उद्देश्य एवं शिक्षा की व्यवस्था ।

(iii) मध्यकालीन शिक्षा - ऐतिहासिक विकास, शिक्षा के उद्देश्य एवं शिक्षा की व्यवस्था ।

२ भारतीय ब्रिटिश कालीन शिक्षा –

(i) चैरिटी स्कूल, कलकत्ता मदरसा तथा बनारस संस्कृत कॉलेज, प्राच्य एवं पाश्चात्य विवाद, मैकॉले का विवरण पत्र

(ii) भारतीय शिक्षा आयोग ९८८२, हर्टाग समिति – ९९२९, सार्जें योजना - ९९४४

३ आधुनिक भारत में शिक्षा -

(i) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (राधाकृष्णन आयोग), १९४८ -४९

(ii) माध्यमिक शिक्षा आयोग (मुदालियर आयोग) १९५२-५३

(iii) भारतीय शिक्षा आयोग (कोठारी आयोग) १९६४ -६६

(iv) राष्ट्रीय शिक्षा नीति १९८६

(v) संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति १९९२

४ प्रमुख शैक्षिक संस्थान -संकल्पना, गठन के उद्देश्य, कार्य

१ नवोदय विद्यालय

२ राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT)

३ केंद्रीय हिन्दी संस्थान

४ राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE)

संदर्भ ग्रंथ सूची -

१ वर्मा, जी. एस., आधुनिक भारतीय शिक्षा एवं समस्याएँ, २००१ लायल ब्रुक डिपो, मेरठ

२ त्रिवेदी, राकेश, भारतीय शिक्षा का इतिहास (स्वंतत्रता पूर्व) २००६ ओमेगा पल्लिकेशन्स, नईं दिल्ली

३ सिंह, कर्ण, भारतीय शिक्षा का ऐतिहासिक विकास, २००७, एच पी भार्गव ब्रुक हाउस, आगरा

४ अग्निहोत्री, रवींद्र, आधुनिक भारतीय शिक्षा: समस्याएँ और समाधान २००७ राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर,

५ वशिष्ट, विजेंद्र कुमार, भारतीय शिक्षा का इतिहास, २००९, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली

६ विजयवर्गीय, शंकर, भारतीय शिक्षा का इतिहास, १९८६, राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली

७ पाठक पी.डी.., भारतीय शिक्षा का इतिहास और समस्याएँ, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

८ गुप्ता मोहनलाल, प्राचीन भारत का इतिहास, २०१३, राजस्थानी, ग्रंथागार प्रकाशन, जोधपुर

९ राजपूत जगमोहन सिंह, शिक्षा एवं इतिहास - परिवर्तन के चुनौतियां, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

१० राजपूत जगमोहन सिंह, शिक्षा कीं गतिशीलता : अवरोध, नवाचार और संभावनाएँ, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र - 12

सामाजिक अध्ययन : शिक्षण विधि

(Social Study : Method of Teaching)

विषय कोड : ११२ **क्रैडिट -५**

उद्देश्य –

१ सामाजिक अध्ययन के अर्थ और प्रकृति क्रो समझाना ।

२ सामाजिक अध्ययन के पाठ्यक्रम के स्वरूप से परिचित कराना ।

३ सामाजिक अध्ययन कीं शिक्षण विधियों का प्रयोग कराना ।

४ सामाजिक अध्ययन शिक्षण के लिए तथा प्रयोगशाला के लिए आवश्यक सामग्री जुटाना ।

पाठ्यवस्तु

१ सामाजिक अध्ययन - अर्थ, प्रकार उद्देश्य, महत्व और क्षेत्र, इतिहास, भूगोल, नागंरिक शास्त्र और अर्थशास्त्र में अंत: संबंध ।

२ पाठचर्या निर्माण - उदेश्य और सिद्धांत ।

३ शिक्षण विधि और युक्तियाँ - पाठ्य पुस्तक परियोजना, व्याख्यान, समस्या, इकाई, सर्वेक्षण, अन्वेषण ।

४ अध्ययन- अध्यापन सामग्री - (i) पाठ्यपुस्तक आवश्यक ता, (ii) पाट्यपुस्तक निंर्माणके सिद्धांत,पाट्यपुस्तक चयन क्री कसौटियॉ, (iii) शिक्षण सहायक सामग्री, (समाचारपत्रक ,रेडियो, फिल्में चार्ट, मॉडल, मानचित्र, चित्र), मानचित्रावली, यांन्रिक उपकरण ।

५ सामाजिक अध्ययन शिक्षक - गुण, अर्हताएँ, अपेक्षाएँ

६ सामाजिक अध्ययन शिक्षण मूल्यांकन - आदर्श प्रश्नपत्र की विशेषताएँ और रचना ।

७ राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के संदर्भ में सामाजिक अध्ययन शिक्षण ।

८ प्रायोगिक कार्य - (i) इतिहास, भूगोल, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र से १० - १० प्रश्नों का निर्माण और प्रश्नपत्र की रचना, (ii) सामाजिक अध्ययन संग्रहालय के लिए वस्तुओं क्री सूची तैयार करना ।

संदर्भ ग्रंथ सूची -

१ शर्मा एस. आर., सामाजिक अध्ययन शिक्षण, २०१० अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली .

२ पांडेय, कामता प्रसाद एवं श्रीवास्तव जयप्रकाश, अर्थशास्त्र शिक्षण, २००९ , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

३ श्रीवास्तव कांतिमोहन, भृपुंमेल शिक्षण , २०१४, साहित्य-प्रकाशन, आगरा

४ शर्मा रमा, मिश्रा, एम.के., नागरिक शास्त्र शिक्षण, २००९, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस , नईं दिल्ली

५ बैस नरेंद्र सिंह, नागरिक शास्त्र शिक्षण, २००९, जैन प्रकाशन मंदिर, जयपुर

कार्यानुभव -

१ विद्यालयों अनुभव + स्कूल डायरी, उपस्थिति रजिस्टर

१ साहित्यिक कार्यक्रमों में सहभागिता

२ स्काउड गाइड, समाज सेवा सहभागिता

३ सत्रीय कार्य

प्रश्नपत्र - 13

भाषा परिमार्जन

(Improvement of Learners' Language)

विषय कोड : ११३ **क्रेडिट -५**

उद्देश्य -

१ देवनागरी लिपि तथा हिन्दी वर्तनी को विशेषताओं से अवगत कराना ।

२ शुद्ध हिन्दी का व्यवहार करना सीखना ।

३ व्याकरण सम्मत रचना का अभ्यास कराना

४ विविध शब्दावली काप्रयोग कराना ।

पाठ्यवस्तु

१ देवनागरी के मानक लिपि चिहों का प्रयोग -

(क्र) अनुलेखन

(ख) श्रुतलेखन

२ आवश्यक तानुसार अभिव्यक्ति का संक्षेपण और भाव-पल्लवन करना -

(क) विचार विश्लेषण

(ख) सार लेखन/भाव संक्षेषण

(ग) भाव पल्लवन

३ विषय के अनुकूल अनुच्छेदों और निबंधों को रचना -

(क) निबंध लेखन

(ख) पत्र लेखन

(ग) कहानी, घटना अदि की पुनराभिव्यक्ति

(घ) स्वतंत्र अभिव्यक्ति -कहानी, यात्रा विवरण

(ड) विशिष्ट अवसरों के लिए भाषण या संवाद जैसे - स्वागत, विदाई, बधाई, यात्रा आदि ।

४ प्रयोग –

समानार्थी, विलोमार्थी, अनेकार्थी, समरूपी भिन्नर्थी (हिन्दी तथा अन्य भाषा) शब्दों का प्रयोग ।

५ विशिष्ट प्रयोग -

(क) विशिष्ट संयोजक, नियोजक तथा निपात आदि का प्रयोग

(ख) शब्दों के लाक्षणिक प्रयोग

(ग) मुहावरो और लोकोक्तियां का प्रयोग

सहायक ग्रंथ:

१ आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वसुदेवनंदन प्रसाद

प्रश्नपत्र - 14

शिक्षण अभ्यास - हिन्दी शिक्षण

(Practice Teaching – Teaching in Hindi)

विषय कोड: ११४ **कुल अंक - १००**

उद्देश्य -

अंक विभाजन

बाह्य प्रायोगिक परीक्षा - १००

समालोचना - आंतरिक प्रयोगिक परीक्षा	२५
पाठ योजना निर्माण + शिक्षण	४५
सहायक सामग्री	१५
साथी पाठ निरीक्षण	१५
	१००

कुल पाठ -

सूक्ष्म शिक्षण	-	२० - २० पाठ साहित्य, १० पाठ भाषा शिक्षण
विद्यालयों शिक्षण	-	४० - २० पाठ साहित्य, २० पाठ भाषा शिक्षण

प्रश्नपत्र - 15

शिक्षण अभ्यास - सामाजिक अध्ययन शिक्षण

(Practice Teaching – Teaching of Social Studies)

विषय कोड : ११५ **कुल अंक - १५०**

अंक विभाजन

बाह्य प्रायोगिक परीक्षण	५०
समालोचना	२०
पाठ योजना निर्माण + शिक्षण	१०
सहायक सामग्री	१०
साथी पाठ निरीक्षण	१०
	१५०

कृल पाठ			६०
सूक्ष्म शिक्षण	२०	-	८ इतिहास, ८ भूगोल, ४ नागरिक शास्त्र
विद्यालय शिक्षण	४०	-	१६ इतिहास, १६ भूगोल, ८ नागरिक शास्त्र

कार्यानुभव -

१ सामाजिक उत्पादक कार्य, हस्तशिल्प, शिक्षण सामग्री

२ स्वच्छता शिविर

३ पर्यावरण सुरक्षा एवं वृक्षारोपण

Semester IV

सेमेस्टर IV

प्रश्नपत्र -16

शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन

(Educational Measurement and Evaluation)

विषय कोड : ११६ **क्रेडिट -४**

उद्देश्य -

१ शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन की अवधारणा से परिचित कराना ।

२ मापन एवं परीक्षण के विविध पक्षों का शिक्षण में प्रयोग कराना ।

३ शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया में मूल्यांकन को संकल्पना की समझ सकेंगे तथा सुधार कराना ।

४ प्रश्नपत्र निर्माण, परीक्षण निर्माण की प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे तथा सुधार कराना ।

पाठ्यवस्तु

१ मापन -प्रत्यय, अर्थ, कार्य, मापन विधियाँ, मापन प्रविधियों की विशेषताएँ।

२ परीक्षण - प्रत्यय, अर्थ, कार्य, प्रकार (क्र) शक्ति परीक्षण, गतिपरीक्षण, (ख) अध्यापक निर्मित परीक्षण, , प्रमाणीकृत परीक्षण (ग) उपलब्धि परीक्षण और निदानात्मक परीक्षण, एक अच्छे परीक्षण को विशेषताएँ

३ मूल्यांकन - प्रत्यय, अर्थ, महत्त्व, मूल्यांकन प्रविधियाँ - (क) परिमाणत्मक (ख) गुणात्मक - संचयी आलेख, निरीक्षण, जाँच सूची, रेटिंग स्केल / मापनी, एनेकदोटल आलेख | मापन - परीक्षण - मूल्यांकन में उतिर ।

४ वस्तुनिष्ठ परीक्षा की निर्माण विधि - निर्माण के सोपान - (क) नियोजन (ख) निर्माण (ग) जाँच करना (घ) मूल्यांकन । निबंधात्मक परीक्षा - गुण - दोष | वस्तुनिष्ठ और निंबंधात्मक परीक्षा में अंतर ।

५ सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन - पृष्ठभूमि, संकल्पना, सतत मूल्यांकन के पक्ष, मूल्यांकन पद्धति तथा प्रक्रिया ।

६ भाषा तथा साहित्य संप्राप्ति मूल्यांकन - भारत में भाषा शिक्षण, भाषा तथा साहित्य शिक्षण के उद्देश्य, भाषा मूल्यांकन को विधियाँ ।

७ भाषा परीक्षण - श्रवण परीक्षण, उच्चारण परीक्षण, वाचन परीक्षण, लेखन परीक्षण, साहित्य परीक्षण ।

संदर्भ ग्रंथ सूची -

१ शर्मा, आर. ए., शैक्षिक मापन एवं मानसिक मापन, आर लाल बुक डिपो, मेरठ - २५००१

२ शर्मा, किशोरी लाल, भाषा परीक्षण तथा मूल्यांकन, १९८२ , केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

३ शर्मा, लक्षमी नारायण, शिक्षण सामग्री निर्माण, प्रक्रिया और प्रयोग, केंद्रिय हिन्दी संस्थान, आगरा

४ रस्तोगी कृष्ण गोपाल, शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला अकादमी, पी - १६ ,से १४, पंचकूला - १३४११३

प्रश्नपत्र - 17

हिन्दी साहित्य

(Hindi Literature)

विषय कोड : १९७ **क्रेडिट - ५**

उद्देश्य -

१ हिन्दी साहित्य कीं विभिन्न विद्याओं के रूपों से परिचित कराना ।

२ गद्य को विभिन्न विधाओं के अथ्यगत अंतर को पहचान करने की क्षमता विकसित कराना |

३ काव्य/ कविता में निहित भावों एवं अनुभूतियों को हृदयंगम कराना |

४ गद्य की विविध विधाओं में निहित वैचारिकता को आत्मसात कराना ।

५ काव्य/ कविता एवं गद्य के भाषागत वैशिष्ट्य का संज्ञान कराना ।

पात्यवस्तु -

खंड - क

(दिन्दी गद्य)

१	मनुष्य के जीवन की सार्थकता	(निबंध)
२	आचरण की सभ्यता	(निबंध)
३	ममता	(कहानी)
४	दिल , दौलत और दुनिया	(कहानी)
५	कलंक रेखा	(एकांकी)
६	सच्चा जीवन	(एकांकी)

खंड - ख़

पद्य

१ कबीर – साखी ३, ७, १०, १४, २०, २१, २६, ३६, ३७, ३९ = १०

पद- पद - मेरी चुनरी में परी दांग पिया, (पूरा पद)

२ सूरदास - १) भक्ति के पद - अबिगत गति पद- गावे ।

२) ऊधो मन न भए दस बीस - और नहीं जगदीश

३) उघो मोहि ब्रज ..... कहि कहि पछिताहीं ।

३	तुलसीदास दोहावली	- पद ३, ६ , ७ , १०
	विनय के पद	- १ और ४ पद
४	बिहारी	- दोहा- १, ७, १२, २०,२४ दोहे =५
५	जयशंकर प्रसाद	- आँसू- कुछफूटे पद
६	निराला	- स्नेह निर्झर बह गया है ।
७	महादेवी वर्मा	- बीनभी हूँ मैं , तुम्हारी रागिनी भी हूँ ।
८	बच्चन	- इसलिए खडा रहा कि तुम मुझे पुकार लो
९	अज्ञेय	- हिरोशिमा
१०	डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन	- मिट्टी क्री महिम
११	माखन लाल चतुर्वेदी	- हिमकिरिटिनी
१२	रामधारी र्सिह दिनकर	- धर्मयुद्ध (कुरुक्षेत्र)

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची -

१ आधुनिक काव्य - संग्रह -. प्रकाशक : राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा

२ प्राचीन काव्य संग्रह - प्रकाशक : राष्ट्रभाषा प्रचार समित्ति वर्धा

३ विविधा - प्रकाशक : राष्ट्रभाषा प्रचार समित्ति वर्था

४ विविधा - प्रकाशक : राष्ट्रभाषा प्रचार समित्ति वर्धा

खंड - ग

१ हमारा पूर्वोत्तर भारत

२ १८५७ ई. का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

३ संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा उसके विभिन्न अंग

४ मणिपुरी भाषा और साहित्य का इतिहास

संदर्भ ग्रथ सूची -

१ आधुनिक काव्य -संग्रह ,प्राचीन काव्य संग्रह, विविधा/विविधा: प्रकाशक : राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा

२ सामान्य अध्ययन भाग- १ पूर्वोत्तर सामग्री निमणि, केद्वीय हिन्दी संस्थान, आगरा

३ सामान्य अध्ययन भाग- २ पूर्वोत्तरसामग्री निर्माण, केंद्रीय हिन्दी संस्थान आगरा

४ हजारीमयुम सुवदनी देवी- मणिपुरी भाषा और साहित्य , प्रकाशक, हिन्दी परिषद, हिन्दी विभाग मणिपुरी विश्वविद्यालय, कांचीपुर, इम्फाल

प्रश्नपत्र - 18

भारतीय शिक्षा की समस्याएँ

(Problems of Indian Education)

विषय कोड : ११८ **क्रेड्रिट - ४**

उद्देश्य -

१ भारतीय शिक्षा व्यवस्था के स्वरूप से परिचित कराना ।

२ विभिन्न स्तरों पर भारतीय शिक्षा की समस्याओँ एवं उनके समाधान को जानकारी प्राप्त कराना ।

३ भारत में भाषा कीं समस्या से अवगत कराना ।

४ शैक्षिक अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त कराना ।

पाठ्यवस्तु –

१ भारतीय शिक्षा की समस्याएँ -

(i) शिक्षा के उद्देश्यों कीं समस्या, उपयुक्त पाठ्यक्रम क्री समस्या एवं शैक्षिक बेरोजगारी की समस्या

(ii) प्राचीन कालीन शिक्षा व्यवस्था - समस्याएँ एवं समाधान

(iii) मध्यकालीन शिक्षा व्यवस्था - समस्याएँ एवं समाधान

२ वर्तमान शिक्षा व्यवस्था- स्वरूप एवं समस्याएँ -

३ वर्तमान भारत में प्राथमिक शिक्षा—स्वरूप, उद्देश्य और विकास, प्रमुख समस्याएँ एवं उनका समाधान, सर्वशिक्षा अभियान मध्याह्न भोजन (मिड डे मील)

४ वर्तमान भारत में माध्यमिक शिक्षा-- स्वरूप, विकास, उद्देश्य, प्रमुख समस्याएँ एवं समाधान

५ भारत में उच्च शिक्षा की व्यवस्था एवं समस्याएँ -

(i) विश्वविद्यालय (उच्च) शिक्षा-- स्वरूप, उद्देश्य, विकास ,प्रमुख समस्याएँ एवं समाधान, विश्वविद्यालय स्वायत्तता, मुक्त विश्वविद्यालय

(ii) अध्यापक शिक्षा - आवश्यकता, उद्देश्य और विकास, विभिन्न स्तरों के लिए अध्यापक शिक्षा, सेवाकालीन, सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा, अध्यापक शिक्षा की समस्याएँ एवं समाधान

६ भाषा समस्या एवं दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था -

(i) भारत में भाषा की समस्या एवं विभिन्न आयोगों एवं समितियों के सुझाव, त्रिभाषा सूत्र, भाषा समस्या और शिक्षा |

(ii) भारत में दूरस्थ शिक्षा (Distance Education) को व्यवस्था, कार्य, विशेषताएँ, महत्व, समस्याएँ एवं समाधान ।

(iii) शैक्षिक अवसरों की समानता की समस्या - बाधाएँ, शैक्षिक अवसरों में समानता लगाने संबंधी सुझाव ।

संदर्भ ग्रंथ सूची -

१ बर्मा, जी. एस. , आधुनिक भारतीय शिक्षा एव समस्याएँ , २००१ ,लायल ब्रुक डिपो, मेरठ

२ अग्निहोत्री, रवींद्र, आधुनिक भारतीय शिक्षा कीं समस्याएँ और समाधान, २००७, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

३ पाठक, पी.डी. हैं भारतीय शिक्षा का इतिहास तथा समस्याएँ, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

४ गुप्ता, एस. पी. , भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएँ, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

५ Impact of In-Service Training and Class room Transaction (SSA Inset packages in states. An Assessment) Part II, 2012, NCERT, Delhi

६ भारत मैं विद्यालयी शिक्षा - वर्तमान स्थिति और भावी आवश्यकताएँ, NCERT -3075 नई दिल्ली

७ रस्तोगी, के .जी., भारतीय शिक्षा का विकास एवं समस्याएँ, १९७६, रस्तोगी पब्लिकेशन, मेरठ

८ अरविंदाक्षन ए., मिथलेश -बुनियादी तालीम, राजकमल रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र - 19

जेंडर विमर्श एवं शिक्षा

(Gender Discussion and Education)

विषय कोड : ११९ **क्रेडिट -३**

उदेश्य -

१ जेंडर विमर्श के विभिन्न पक्षों से परिचित कराना ।

२ शिक्षा और जेंडर के सम्बन्ध के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास कराना ।

३ स्त्री विमर्श और जेंडर विमर्श में अंतर कराना ।

पाठ्यवस्तु

१ जेंडर विमर्श - अवधारणा और आवश्यकता (जेंडर रुढियाँ, जेंडर के मनोसामाजिक परिपेक्ष्य)

२ जेंडर आधारित सामाजीकरण प्रक्रिया (परिवार, समुदाय, विद्यालय और अन्य सामाजिक संगठनों की भूमिका अध्ययन)

३ लड़कियों की शिक्षा - इतिहास, वर्तमान स्थितिं और चुनौतियाँ, शिक्षा के अवसरों की समानता को व्याख्या - स्त्रीवादी दृष्टिकोण, मीडिया और अन्य लोकप्रिय माध्यमों की भूमिका का विश्लेषण, थर्ड जेंडर के संदर्भ में संवैधानिक मान्यता |

४ विद्यालयों में जेंडर असमानता - पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र, विद्यालयी गतिविधियाँ, जेंडर संवेदनशील शिक्षाशास्त्र, शिक्षकों की संवेदनशीलता ।

संदर्भ ग्रंथ सूची -

१ Bhasin Ramia, 2011 Understanding Gender, Women Unlimited, Delhi

२ Rage Sharmila, Charana Karuna (Ed), 2003, Sociology of gender, Sage Publications, New Delhi

३ वर्मा अपना (सं.) २००९ , स्त्री -विमर्श - विविध पहल, लोकभारती पुस्तक विक्रेता तधा वितरक, इलाहाबाद

४ कस्तचार रेखां, २००९, स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

५ वालिका का सकारात्मक आत्मबोध , NCERT, नई दिल्ली

६ पालीवाल सुभाषिनी, भारत में महिला शिक्षा और साक्षरता, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली

७ मेहरोत्रा ममता - महिला अधिकार, राधा कृष्ण प्रकाशन, नईं दिल्ली

Optional subject

वैकल्पिक विषय

प्रश्नपत्र -20

शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा

(Physical and Health Education)

विषय कोड : १२० **क्रेडिट -४**

उद्देश्य

१ स्वास्थ्य शिक्षा की जानकारी प्राप्त कराना ।

२ संतुलित भोजन एवं कुपोषण के बारे में जानने की जानकारी देना ।

पाठ्यक्रम

१ शारीरिक तथा रवास्थ्य शिक्षा -

(i) शारीरिक शिक्षा का अर्थ, उद्देश्य, भारत में शारीरिक शिक्षाक्रे सिद्धांत, विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम (पूर्व प्राथमिक स्कूल, प्राथमिक स्कूल, जूनियर तथा सीनियर हाईस्कूल के संदर्भ में)

(ii) स्वास्थ्य शिक्षा का अर्थ, महत्व, उद्देश्य, क्षेत्र विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम एवं बालकों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का निरीक्षण ।

(iii) संतुलित आहार एवं कुपोषण - अर्थ, भोजन की आवश्यकता भोजन के तत्व, आहार का महत्त्व, कुपोषण के लक्षण एवं कुपोषण दूर करने के उपाय, मिड डे मील

संदर्भ ग्रंथ सूची ...

१ . सनाट्य, विट्ठल कुमार, पर्यावरण शिक्षा, २०१०, प्रेरणा प्रकाशन, दिल्ली

२ . मिश्रा, उषा, पर्यावरण शिक्षा, न्यू क्रैलाश प्रकाशन, इलाहाबाद

३. पांडेय, के औ- , भारद्वाज, अमिता एवं पांडेय, आशा, पर्यावरण शिक्षा एबं भारतीय संदर्भ, २००५, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

प्रश्नपत्र - 21

संप्रेषण और सूचना प्रौद्योगिकी

(Communication and Information Technology)

विषय क्रोड : १२१ **क्रैडिट -४**

उदेश्य -

१ कंप्यूटर की संरचना, संचालन और संसाधन से जुड़े आधारभूत तथ्यों की जानकारी प्राप्त कराना ।

२ सूचना प्रौद्योगिकीं और सूचना संस्कृति के प्रसार में इंटरनेट को भूमिका और प्रकार्यों की जानकारी प्राप्त कराना ।

३ हिन्दी भाषा -प्रौद्योगिकी एवं शब्द-संसाधन अनुप्रयोगों क्री समझ उत्पन्न कराना।

पाट्यक्रम विवरण

सैद्धांतिक अध्ययन

१ कंप्यूटर - एक दृष्टि में क्रंप्यूटर - सामान्य परिचय एवं परिभाषाएँ । कम्यूटर परिचालन (आपरेटिंग) के मूलभूत तथ्य | कंप्यूटर की उपगोगिता एवं विविध अनुप्रयोग- क्षेत्र । कंप्यूटर की आधारभूत संरचना एवं कार्यं - प्रणाली । हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर |

२ सूचना युग एवं इंटरनेट २ सूचना - समाज की अवधारणा । सामाजिक विकास में सूचना - संचार और शिक्षा की समन्वित भूमिका | सूचना एवं संसार - प्रौद्योगिकी (अई.सी.टी.) में इंटरनेट । इंटरनेट का प्रणाली - तत्र एवं उपयोग विधि । प्रमुख सर्च इंजनों में हिन्दी भाषा समर्थन और हिन्दी खोज की सुविधाएँ ।

हिन्दी भाषा संसाधन

भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा संसाधन - अवधारणा एवं उद्देश्य । हिन्दी भाषा - संसाधन के प्रमुख अनुप्रयोग क्षेत्र | हिन्दी भाषा - संसाधन एवं भाषा - शिक्षण से संबंधित प्रमुख वेबसाइट एवं वेब-पोर्टल । हिन्दी भाषा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास कार्यों का सर्वेक्षण ।

शब्द - संसाधन एवं हिन्दी कंप्यूटर -

शब्द-संसाधन की अवधारणा, शब्द-संसाधन के अंग । प्रमुख हिंदी शब्द-संसाधक सॉफ्टवेयर । विभिन्न ऑपरेटिंग सिस्टम (मैक, विंडोज, लाइनेक्स , एंड्राइड) में शब्द-संसाधन हेतु स्थानीय भाषाओँ (हिन्दी) की सक्रिय करने का तरीका । हिन्दी शब्द-संसाधन के लिए उपलब्ध प्रमुख टाइपिंग विकल्प - रेमिंगटन, इन्स्क्रिप्ट और फोनेटिक या ट्रांस्लिट्रेशन की-बोर्ड | हिन्दी शब्द-संसाधन में आई. एम. ई. की भूमिका और उपयोगिता | आई. एम. ई. की प्रयोग-विधि । (Indic Method Input)

प्रायोगिक कार्य - उपर्युक्त सैद्धांतिक खंड (क्र. सं. १ -४ तक) पर आधारित होगा ।

प्रश्नपत्र -22

पर्यावरण एव पर्यावरण शिक्षा

(Environment & Environmental Education)

विषय कोड : १२२ **क्रेडिट -४**

उद्देश्य -

१ पर्यावरण, पर्यावरण शिक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त कराना।

२ पर्यावरण प्रदूषण एवं पर्यावरण संरक्षण में लगी संस्थाओं के बारे में जाने को क्षमता विकसित करना

३ पर्यावरण एवं पर्यावरण शिक्षा -

(i) पर्यावरण, उद्देश्य, महत्व और घटक - अर्थ, पर्यावरणीय घटक - वायुमंडल की संरचना, विशेषताएँ, महत्व, क्षेत्र, पर्यावरण जन- जागृति, पर्यावरणीय गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले घटक एवं पर्यावरण में सुधार संबधी सुझाव ।

(ii) पर्यावरण शिक्षा - अर्थ, महत्व, आवश्यकता, उद्देश्य एवं पर्यावरण शिक्षा का क्षेत्र |

(iii) पर्यावरण प्रदूषण एवं पर्यावरण संरक्षण में विभिन्न अभिकरणों का योगदान

(iv) पर्यावरण प्रदूषण - प्रदूषण का अर्थ, प्रदूषण के स्रोत, पर्यावरण प्रदूषकों का वर्गीकरण, मुख्य पर्यावरणीय प्रदूषण, प्रदूषण का जैव पर्यावरण पर प्रभाव, पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार - जल प्रदूषण, रेडियोधर्मी प्रदूषण, ठोस अवशिष्ट प्रदूषण

संदर्भ ग्रंथ सूची -

१ सनाढय, विट्ठल कुमार, पर्यावरण शिक्षा, २०१० , प्रेरणा प्रकाशन, दिल्ली।

२ मिश्रा, उषा, पर्यावरण शिक्षा, न्यू कैलाश प्रकाशन, इलाहाबाद ।

३ पांडेय, के, पी. , भारद्वाज, अमिता एवं पांडेय, आशा, पर्यावरण शिक्षा एव भारतीय संदर्भ, २००५, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।